

ग्रोणटल प्रैंकेन्डर टिट्रा सरींग्रह्म देंह्र दिश्रा ष्प्रोधसम्बद्धाः प्राप्तिकः *सैटहम टैंन्नए टैंभी* ह म्हिरिमऋ ट्रारो ९६,६०० ळणाडेण ग्रहेश्वराज्य



ग्राद्ध<sup>भ</sup>ागा, ऋ<u>ञ्</u>ध्वरीस्तर म देश्वामासेनए इर ज्रस्थ इटोप्पाज इटेप्पाजार *ने* ५४ टॉक्शा टेडकी पा प्राप्त टेज्र४म॰भी प्राप्ट *⅀*ⅇℇ<sup>℩</sup>ℋℼℋⅇ*ℋ* 



*ष्ट्रण स्ट्रिंश्टराप्त स्थाना* <del></del> ዜዋና ፈଘଘ ድ<sub>ን</sub> ዜላ ष्ट्राणा माध्य विकास सेक्ट्रेलीम देशणी टामञ्जूष



TO SHAR TO HARAGE ALBERTA मिष्ट र्रथम्बर लीपराई राणाराज्याम् स्वार्यस्यार्य

RNI Regn. No. MANMEE/2009/31282

Postal No. MNP-409

# 



॥ भिदर्क ग्रह**ा**ष्ट्रा श्रष्ट ह्यामं ग्रह्म भिर നം അദ്ദേഹം വ जिला एक एक । विश्व के भी बर के प्राप्त के पार्व के प्राप्त के प्रा स्राधाराटी वास्त्र स्वाप्त कर्म । <u>भव</u>्ची स्रीत पारक्ष हिन्दी स्वाप्त का सम्बन्ध ने स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत

रमभ्दर्ग रहनारा पारम हाणज्ञ भारस्त्र

### ीणी जिस रुग्रा दिक्री प्राप्त महिम प्रस्वाप्रभ

फ्रांचेन, टटेंक ०६ (पॉर्स प्रजन्म मिल्रा १९७७ अण मिल्यात्स क्रमस्य प्रभावयात्म राणांत्रे सार्वाण्य स्टापास रेगान्यर ा <u>भन्</u>योगार मानीम भाषार्य प्रमारीम स्वार्धन्यार्ध्य प्रसम्बद्धाः भावासः सिहमः प्राप्त ग्रहीमाप्र निकास अधारी से विकास जीपाल ०.८०२ साम पारक्रम रिपार में प्राचित कहार्य है सामार हो दिवा ए भागर उमर्शम ह्या॰ ज्या॰ मार्ग ॥ भिदर्श त्रियः भाजीम

### **HL Poll**

Q: Lilong nunggei dagi khunjasing chenthoknarakpagi thoudok leingakna thokhanbani haina louba

#### POLL CLOSES AT MIDNIGHT Yes No

Vote thadanabagidamak www.hueiyenlanpao.com

da Visit toubivu NGARANG GI RESULT

Q: Phungyar AC gi Mawai khul da chahi 20 mei peeramdabasi AC adugi MLA na thoudang loudabagira?

Yes 85% No 15%





# Con education may

णरेषा होयल नाहर जाएलाचिका

॥ रिर्दर दम प्रणार्चम प्रदर्श पाष्प्रभार राज्य महाम भारत മ്പിവാപ്പുക്കും ജന്വവാട്യാ പ്രവേദ്യാ പ്രവേദ്യാ च्छ भारतिरपुर प्रणोलद<u>्या</u>समद रिभेष्ट देम िष्णु साणुम भामाणे भामणे भागणे १९१२ भीमणे ॥ त्रित्र मार्गि । त्रित्र मार्गि अध्य प्रत्ये । त्रित्र मार्गि अध्य प्पटप्त जा<u>भ्व</u>रापटिस्तां प्रांतिभीमछ रिव्ल ीछ ४६ भीमछ स्वाणम हर्षे स्वयंम विष्णपर्विष्ठं भेज्वता स्वाप्तिम ३(९७४) ीगीएक वारिअीमण हरूगौर ६३२ १एक ऋ वासियर्स । विर्देठ भरतिस वासर्प भावारिदर्श<u>जा</u>तव भरतिस वार्यर वारिदर्श<u>जा</u>तव हर्षे प्राटिस भीमण है हैं पार्टीस एसिएस भीमण मारी मानवर्षण भाभक्षियण हो है । पारामण हो में होरामक्रमण एक एं ॥<u>°ഇ</u>हमर्रू प्यास्रक्र रूपणिया प्राप्तिस भरतीयोस और ीत्रक्र मारीउ रहर्रप्रार्श्वर यर्ष्ट्र दर्बाष्ट्रपर्वर रहा<sup>र</sup> ग्रह्म राजित हो ३३ भी मण राजित जो ४६ सम्बर्ध म<u>म्बर्</u>ध जात्र हो । ിയെന്റ് ിചയിറ്റുക്ക് മെന്റ് മെന്റ് വിവായപ്പെട്ട് വര്യ് വെറ്റ് വര്യ് വെറ്റ് വര്യ് വര്യ് വര്യ് വര്യ് വര്യ് വര്യ്

> ठिन्न प्राधित भीमण विषय रूपीलभ्यन्मभ्यमारि , रिदर्वर्

ധം<u>മെഏ</u>ംച

एसिंप प्रेज्ञभेण एसिंप ३६ ज्ञा ज्ञाण अतिहास लेटि एर्फ, एसिंप ६६ भी मए। ऋणीटार्रक रूजेव्या ह णाधदर्ग मञ्जार पाष्टर ष्ठीधदर् मस्मा १५ मार्च व्यक्त

स्टीमस प्रसिक्त हिन्दू भीम हिन्दू भीम जावर है के या प्रतिकार प्राप्त कर है है जिस्सा प्राप्त है के स्वाप्त कर है है जिस है के स्वाप्त कर है जिस है कि स्वाप्त कर है है जिस है कि स्वाप्त कर है जिस है जिस है जिस है कि स्वाप्त कर है जिस है जि जिस है जिए जिस है जि रज्जात । दावीराजन्य प्राप्त । त्राप्त । त्राप्त । त्राप्त । त्राप्त । त्राप्त । व्याप्त । व्याप्त । व्याप्त । व्याप्त करा स्वराय स 

ග්ෆාස ගාග ්සසග්ෆාරාව්ය $^{c}$ ග එ්සල සගලස ්ගජ්ව දෙද එසල පමණිංහ මණිංහ මග්නේ ම්ම්රාන එංහලා ඉඟ්ටාසසාග රාග සරජසය ादेश पाठर गञान्त्रीणम हेश पाठर जाभवर्म भरत १४० ३९ पाठर ७ $\hat{\mathbf{m}}$ र्प्य हो से हैं हो $\hat{\mathbf{m}}$  । अरत $\hat{\mathbf{m}}$  १२३० भाज भी से एक से भाज पालन हे स्वार्थ के स्वर्ध मार्थ के स्वर्ध भाज कि स्वर्ध मार्थ के स्वर्ध मार्थ मार्थ के स्वर्ध मार्थ मार्थ के स्वर्ध मार्थ के स्वर्ध मार्थ के स्वर्ध मार्थ मार्थ के स्वर्ध मार्थ के स्वर्ध मार्थ मार्थ मार्थ के स्वर्ध मार्थ भीमण स्ट्रंसा लाबर्क रामिल्या स्थापलाबर्क जार<u>्रभार</u> भार<u>क</u>्राच्या प्राप्त स्थापल <u>भार</u>क स्थापल स्यापल स्थापल स्य हणारम रहणा हेन्स भी है है जिस्सा महाराजन सरमं अर्थ अर्थ अर्थ साम कि सार सम्बन्ध है है जिस्सा के साम स्वाप के स ॥โบพเนเรมูน โดม ษาย์ พนาย มาย์ พ แบบ มาย์ พ แบบ มาย์ พ แบบ พ แบบ

िएडी धिश्र ॥ त्रि रहे वाहर अर अपार्ट में ॥ विभाव विभाव

₩.A दुर्गाता प्रधान १६४ स्वास प्रधान स्वान ळ्ळाळम जालक राध्टे रजञ्ञ जालार का भरतीयोम बीर्र गिभारायम गाहर्स

റംഭ<u>മപ</u>ംച ന്നുച്ച വുദ് प्पष्टम् म<sup>6</sup>भ २ वामा रहभरवार्त्र विवाधनानामा मन्<u>भर</u>ज्ञल

### संद्यात्र स्टिप्स के सामान स्टिप्स हमें सामान होने हैं जिस्स स्टिप्स स्टिप्स स्टिप्स स्टिप्स स्टिप्स स्टिप्स स्टिप्स त्र भिर्म म र्रे अपार पाम रापा श्रम रिताम ° भूरोण र्जम प्रोटणपाठ रिज स्थ

रजनभ्यस्त्रं पा॰रम तिम्मण ए.ट. यथमानू कामानू कामानू का प्रमाय कामानू विभाव खणामाणीह्य र्रकेंद्र १०७७ मध्य भिष्ठ के एक मध्य भिष्ठ के स्वाधित स्वाध ସଠିର ଓଡ଼ । १७ ୬୬ । ଓଡ଼ ଓଡ଼ । ଅଧିକ ଓଡ଼ । ଅଧିକ ଓଡ଼ । ଅଧିକ ଓଡ଼ । ଅଧିକ ଓଡ଼ । ଏହି ଓଡ଼ । ୬୯୧୯ । ଅଧିକ ଓଡ଼ି । ଅଧିକ ଓଡ଼ मन्डें रिसम्बम्ग पहिँद रमप्त रिएफ एंम पारिपाण । विदर्भ एंडे एक्सिंट निपार एक निर्पेत एक भा रिपार मन्द्र ीगीमापार्थमाक्रम जाया मास्तर सार्य मास्त्र मास्त्र मास्त्र क्रिया कर्म कर्म करी। भिम्नारिक्र ने भार कर ल<u>िस्</u>र ्रा प्याप्तेम खापका हैती म सामित <u>भट</u>ामरा इ<u>भर</u>ीमा अध्याप क स्वाप्त हिन्दी है । िएक एंम ह्यापिट 'भेर्नेस र हे प्रम' ग्रास मधेंद्र उप्पेशीखरु मधुलूदर्घ राज्यके राज्यक पालसक रहापिर्व ग्राप्याध्य ਹਾੜੇ ਹੈ ਜਿੱਧ ਨਾਲ ਪਤਾ ਦੀ ਸ਼ਹਿਰ ਤੇ ਜ਼ਰੂਰ ਦੇ ਜ਼ਰੂ मंद्र प्रणाटादर्शक्रम होश्वर्यण भागमन्त्रिष्णण भोण्ड हे सम्बन्ध है इंदर्शक्रम प्रदर्शकर्या भागित हे प्रण्याच्य

ਟਸπ੯ ॥ौन्र*ं* रोध्वभाष्य आर<u>्भस्यो</u>ह्यञ्ज स्थाए के पाल्या भारत पुराया भारत हैं स्थाप भारत हैं स्थाप कर पाल्या स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स पामहीपाधिष्य हे प्रहार प्राप्त है मर्पम्य अरक्ष मर्भिष्य हे रहे हैं

ेक्र एन्यांत मधीएक भन्न एन्या इत्र

प्राप्तरे उन्नेजट संभाटः॥

मध्म रिसम होलाग प्राप्तिष्ट ग्रिम<u>भ</u>ार लग्म सर्मस

**ट**ബോബ ॥ १५४४ हैं एक सार्वस भारत्र एक भित्राम स्थानिक स्थानिक विकास सर्वे के सारम सर्वे के विकास एक स्थानिक स्थानिक स

ीजीलमहम5, रिदर्बर्ट उप्पेलीक्षरण पोलपीण रल पाप ३३ माप्पंसप्रीत रिदर्शत विभे रज्जापण ज्वापा

क्रिक स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान

**ब्रामिक प्रमाम क्रिया माम अस्तर्भा प्रमाम अस्तर्भ माम** 

भारतार्तां भन्न स्थान स्थान

र्सारम भागिरमासीम पार्शित छरपारी भभन्तीरभाषम छत्र उपति

ीम स्रिक रिप्ता मिन्दर्श द्वारा जाएक महिल्ल हो । भिन्दर्भ हो निर्माण भिन्न । भिन्दर्भ हो ।

जैवार्ण स्ट्रीम विद्यार्थ माध्य र व्याप विद्यास विद्यार प्राप्त विद्यार विद्यार

॥ भिदर्श जिसमाधार्स्य एजा ग्रा प्रमार्थिय प्रभिदर्श हमप्रज प्र

गरपार्ध्यम उलोठमा मेंडपार रिमंड भाष्ट्रदर्क र्गाप्स रिञ्चन्प्रम

हर्मितार के तमी क्रिया द्वारी में अस्तरमा उपार्ट भाक्ष अर्क हर्दरम

॥ भिरुदर्श <u>भिर</u>्य अधार्य हे अरभ्याम पार्टिंग भारतमर्थ्डा हमार स्म

। <u>भ्वय</u>ूप्रश्राप्यतं एवस्यातः त्रम रिमंड स्वातम रिशन्ता हिमार् पाम'

ंजून स्रोहमड माग्र गाँए हाएल स्ट्रीं) २० दर्डेड .र्जिमद

BE SERTALE REMAINS DELICE OF THE SERVICE OF THE SER मंत्रें पए एक बोपम आमटर ह्या दर्गीम जाभरभा दर्भन्म रिप्र र्हर रहिमड भागापार्गात दर्भ राष्ट्राध्यक्ष्य

....हळ दसेठ ब्रम

## रीटा टारक्कसर्गेत आराप्यभार गिराउ' र्रेष्ठ टेएहमम्बन्धा एगा पार्टीएएँ"



ोठीऽप्पील अध्य र्र्फ) २० दर्डर, रर्वमद राणायम जिल्लाम माम-भ्रम होलद्वां अर (१९७०) ,प्पोट्ट्यम र्सम ह्यूट (वृम्म ज्यापान) प्राप्ता प्राप्त ज्या ज्याट्य दर्व क ब्रस्य आरुण्यान्त्र रहदन्यातम प्यन्त्रीय रहेर रील लर<u>्भन्त</u>माँत रापाणाण रिस्टाम रामान के जिल्ला के जाने जा के जा क ७५५५५ भारत्यं होध्ये र समीत भ<u>क्</u>याएं र र एण्डी राष्ट्र प्राप्त एव एगाए ॥ दस्त्रं रप्पीएपप् एक रोडोम्भव स्थ्रप्र प्रम् एवर् #പ്രുവുഷ കൂട്ടു मा, सम्प्रामित हुनाम् मार्गमा स्थाप

क्रुश्रेक्ट असेंग टीटे लैटल्ब गारभ्यस्तर्यः समधैर भाषज्ञन्धः नर्यर प्रमहोम । डिर्मर उर्द श्रीयामी क्रिमण हर्शांत दमापा कर्मां मुद्रित रहित एउँ ध्रिय राष्ट्रिय पारम

का आएए ज्येप एक भूग ज्यात है। ਸਖਦਰੀ ਵਟਰ ਸੇਖਟੀ॥

ब्रम एकरलाजम १०४दर्व ४मर ४५५% राजन राजन राजर विरु<u>ष्ट</u> सर्वारम भाषि हि रवार्यक रमक दर्शकर । रिप्तरम जरभोगा प्रभार विवास ह्या शिक्षण काडम्बर्मा प्रत्याद स्रोतमसम्बर्ग, विदर्श प्रभव्याचा रिस्म पार्यम निषया एएक पार्रिय एवर्ग्य निर्मिणा होत्रपार्य गिणारिअ॰<u>४८०</u> गिर्महास्यद गद्ध', रगुजनमर ज्ञास हुम राम-र्मम ग्रामण समन्यत्या जन्मासन्य एजामार पार्यम भवर्य वर्षे विभामार ...हळ दर्मेट र्रम

### ४० ३ ह्या १८५<u>० जा</u>रमद विष्रह १६६ अटिन के स्थाप स्थाप स्थाप अस्य अस्य अस्य अस

दर्जातमद रिभेर पारम होराम जन्म र्रोंग) २० दर्ड, र्जमद पामरपार ६३ ोगाणा पाराम हरू में किर्द भारतिम इंटर गिट॰ट इन्स्या भारतीय के अध्याप भारतीय विकास स्थाप स्था प्पन्नस्थन उ<u>र्वट</u>ा ॥ १५ २% विस्थलका भार भार भार भार स्थालन <u>राम</u>सन धार १०००, ६ तक पर, प्रांग प्रेंट क्टान्स केंद्र हैं। स्वाप्त केंद्र हैं। स्वाप्त केंद्र हैं। स्वाप्त केंद्र है ॥ रिजार्ट मर्झर हर्द्ध शास्त्रशाद्यव्याणीत स्र<u>ीकर</u>लस्र हर्न वर्षे प्राप्त हा स्थान ൸൛൸൛൞൰ मञमर एक्सप्रमास् निक्रक्तिकार प्रमाध नामा भारती मह्यार विष्ण

भेमाम्रामें प्रति प्राप्त प्राप्त प्रति हिंदी प्रति हैं उपारितर अन्य अनुसार विकास राम्य अनुसार है । प्राप्त स्थान स्थान स्थान होता है जिल्हा सम्बद्ध सामा स्थान स्थान स्थान । दें प्रणालदर्शामद होल्य हमेर्ड प्रणाहें । रिज्ञा स्थित्रा प्रदामिञ्चलीय प्राप्तभीम

æ92€⊪ ्रिटरम् यहार मुहुर ।। यहार स्टरम क्रम<u>ाप्पट</u>ेक ऋतीयास्य द<u>्वी</u>यापार्या ॥ गिरुद्धार्माहरू ५००% स्टाप्त अरामाहरू स्टाप्त समारिष्ठम । इएराज क्रमाम्यक र क्रमास्य हराज्य

# मद्रण अहम देण अभिष्य भी मही विषय कराजिस के आणाति के प्रमुक्त के प्रमुक्त

क्रमहेन, टुटेक ०६ (पॅर पण्ट क्रिकारक सामानामा सामानाम सामानाम क्रिकार अध्यक्त सामानाम क्रिकार होता है जिस्सा मिला है जिस हणाया मध्यात सम्भाग मध्यात क्राधिम रिजीमिष्य हर्ल्स्ट रहे । भिन्नुसार हर्न्स प्रसार देस प्रमान्य एक महामा हर्ने प्रमान्य हरे प्पर्जापस रुठ १२ ीण (म॰ग्र) ी० ह्य रहाधः रुद्ध ीणीधर्या विद्यार्थेस विप्तरहारित्रम् राभ्यक्ष्यसम्पर्धातिह रापार् ीजीटाक विरोमिष्य मध्य ऋक्रमष्य टमह॰नगोर्स्य देव प्रःहस्त्य **ा भ्वत्रपार्व्यार्गात रिपा**र

> ीणमध्या ीटा हर महासम्बद्धाः इ.स.च्या <u>സ്</u>രസ്ക് ക്യാച്ചെ പ്രത്യായ ക്രാപ്രത്യ ക്രാപ്ര



उर्में उर्में स्थान के स्थान के किए हैं के जिल्ला है प्टेंग प्राप्त हुन होता है, ज्ञार प्राप्त हुन होता है, ज्ञार प्राप्त हुन होता है, ज्ञार प्राप्त प्राप्त हुन होता है, ज्ञार प्राप्त हुन होता है, ज्ञार है, ज ारिदर्श्य मध्याय, भ्रमस्यारीडीहर्स प्रमर्थमञ्जू सम्बाध्यक्षक प्रज्ञास्था प्रभाव प्रभाव प्रभाव प्रभाव प्रभाव प्र യാ അ ഉഷ്യാപ്പ് അവ ചെയ്യുന്നു പ്രത്യാപ്പ

गिर्मिर्धा, ७<u>%क</u>्षण्य अभित्र प्राप्त प्राप्त ।

# र्देशोणाष्ट्रा सिरोमाण गोस्न होस्रएल्एठम सिमिरोणी उन्निया सेस्निक्ः स॰स्सएम्स

उद्धार प्रसाय के अध्याप के अध्य

र्याध्या र्रं स्थल्च आत्याभ्ये प्रमुख

स्र्राप-द ीणाप्रापार्थी अमुंखर रमस्रराष्ट्रिया

क्षेट्र इस अध्याप प्राप्त के स्वयं अध्याप स्वयं अध्ये अध्याप स्वयं अध्य 

**ගදන ඔබෙන්නේ ක්**නෙක් හමුක්

…ह्य दर्भेट र्रम

அஜுயுல்

ලායේ रामर ४८६ गारवर्ष एउसीरमध्य ७७ भारतीन खण्य एउस्तर एजा साम होन्नीन एन एक स्थाप अध्याप कार्य जार भारतीन सामर्थों स्थाप हरमन्द्र राटायान्दर्य नवरायान्त्र भूभ

प्रमध्याप्त गिल्हान्त ,ीयदर्व छदर्शन दिणीम हमधेर पाठक क°रस्त्री एक ४७°माथितीक ॥छिमक ७७५र ।वस्रे एवर्सि पातिरे गातिक विक्र पाति व ीपार्थक ीमा दक्री कि उम<u>क्षर</u>ण का एठहर्व मायान्वर्यक करायान्त्रीह राष्ट्रां हि राष्ट्रवर्ष हिएक महम्ह राज्योमहमू रिष्या पर ए.ज. किराज्य समाग्रीय निषय हिस्सा प्रमार हेस स्थाप के स्वर्थ के निषय है हैं स्थाप के समाग्रीय के ര്യായ എട്ടു വേട്ടു വരുന്ന വ ीण्राणाने पर स्थान स्थार । १ व्याप्त १ व्यापत १ व्य ॥ रिया 'हिया' ट्रायट र्यं स्थान स्थोन हम्ये सम्भान सम्भान हम्या सम्भान सम्भान सम्भान

#### उस ४००० भागाम १९०० के प्राप्त १९०० के प्राप्त १९०० व्याप्त १९०० व्याप्त १९०० व्याप्त १९०० व्याप्त १९०० व्याप्त

**ण्यम विद्यापास्ट्रिट एन्हर्ग्य विद्यार अभय्य मोद्र विपामक्षे**र प्रहात है हे प्राप्तिया गिटण्टम देंड प्रेक्सन प्रेक्ष सामिन्या प्राप्त हें सहीय विकास विकास कि स्वाप्त कि स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व ीणारक्रक प्राप्ताच्य $\overline{\alpha}$ ीणामर्घाउर् $\overline{\alpha}$  भ॰र्य $\overline{\alpha}$  भाजाज्ञ ॥ भ<u>भर</u>जी $\overline{\alpha}$ जी $\overline{\alpha}$ सटपान <u>प्राप्त</u> हैंसा निस्त्र हिंदी है जिस्सा साम स्थापन स्थापन सिंदी स्थापन सिंदी रम गिभाराणम ७०% हम् द्रमिभिन्म र भर्र हर भर्र ॥ भिर उत्तिम प्रश्ना भीखा भीखा उत्तरम प्रातम स्था स्था महित रा प्रस्था प्रस्थान माजिल हुने सामित्राम विमार कार्तम प्रमाय । ଆଝୀଅ ଅଠନ୍ୟଅର୍ଥ୍ୟ ॥ ୀୟଅଠାଦ୍ଧର ମଣ୍ୟ ୪ ସିଫ୍ଟି ଅପ୍ରମିଧ ॥ रिस्टी सिर्म स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान निर्माण निर्माण स्थान क्षेर्र स्वार्थम जारणमय जस्त्रल जाकि जायाण वालमञ्जूल र भर्र स्टम्प्रेस । रिस्पार्य अस्तर्धि अन्याधि रहे ಕೌರ್ಕಿ ಹೇಯಾ ಗಹಗರ ಗಿಯಾ ಅಗಾಗಿಲ್ಲಾ ಅಲೀಹಲ್ಲಾತ್ರೆ ರ್ಯಾಗಿಲಿಕುವ गटाटी जार एटे स्वास निवस्त स्वास राज्य महास राज्य स्वास राज्य स्वास राज्य स्वास राज्य स्वास राज्य स्वास राज्य स ॥ भिर्ध दम गिएक ह्याँप एगदर् गिष्ठम॰

#### क्रिया सभा देएए प्रेए४ मान्यतम अन्यति ।

इसहेन, ट्रहेक ॐ (फॅर ए॰ ए॰०)ः स्टार्टामणीपाण राधार उत्तर देणातास पण्डामा अथाना कारण करामानुष्य स्वारामानुष्य स्वारामानुष्य स्व क्रमाणिया पा<u>र्व्य</u> हमें निर्मा स्टेस प्रत्येम जिस्सीम जिस्सीम जिस्सीम र मीडिटी रहूँ ब्राताम निर्मात के ट्वेमद प्रहेम ज्रह्मीत जीबीमाप्त र्यण रिपाद ॥ अस्यूर्वार्थस्य रेखा मडर्भनात राजेर व्यामन्नीनावीटवार्वस रायां प्रसार क्रिस किस के प्राप्त हुन प्रतामस्त्र का प्रमार क्रिस प्रमार प्रमार प्रमार प्रमार प्रमार प्रमार प्र प्रकुन मध्या सभी मधी हिन्दा प्रकृत राष्ट्र प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत ीर भञ्जन्नाराणामा विवासी सम्बन्धान । विवास विकास विकास विकास विकास स्थास अटा सहाराम ह्या हो जानामा हत , हर दिया जिल्ला च एक न्यार प्रस्कृत स्टाम र्ट्सत प्रारंस ५५८५५ पारीगार २०५२मा उत्हंर ५६५मा १५६० १५६० १५६० १५६ मंडर्भणा रार्ग्स पामलीपापाटीय ग्रीसद मीडराम रिवर्ट स्रोट ग्राप क्य इंटर'म जा हे जा रंक सममम प्रात्मार है। जिल्लाम के उर्ज कर ॰एउए।। ए॰ ७। ए०।।।। सुट्यान देंठ उठे औए उठे औएठ सहमन्न देंभीठ र ेटाप राज्य प्राचित्रप्रभीत प्रामुन्नीपापीटास्ट्रांद भीडिटाम मीडलम होन्दर्र प्राप्तुल ब्रह्मभर्थंद्र ॥ निरप्पंब्रपाद्य लुछर्वर्त्र रिजाएपप्रदिष्ठ राप्यार्ट उसद रज्यापी जावारिक्रमास्त्र ,स्रहोन्यार्थस्य उभर्वर रन्य पाल्यम सन्य मध्याप इत्यम् असमामान्य सन्य सन्य मध्यान मध्यान रूम प्यमसीष्प्रस्त भाष्यीलमीडलम् ॥ दर्स्य रद्धांष्टण अर्मरे लिसीर्ह्याण र रिक्रण प्रोटामडर्भगार म्राप्तीटपार्यसमञ्जू मीडिटाम् भिराट क्या र्जमद्ध प्रा ॥ ब्रियार्थक्रसाद्य एग्डर्क् रिजाटपार्थसञ्ज

#### ट्रेंग्यात कर्त हैं निष्क

हिंगा महिरी महिरी महिरी महिरी स्थाप अध्य प्रिक्ष के दिंदू , रिवाद <u>र्ज्य हामा</u>युवरं गुरुणा प्रमाण मार्पणा, प्राप्तेम गाउँ देश'ब श्रमंभ महाप्यार्क्त प्रायमम श्रान्या होता हो सम हत अमारपाभद पारापार्वात रेग्नर भाष्ट्रप्रग्रांत्रित पारिवर्द भार्रमिक्ट हर प्रदेशि ीगार्ट्यमंद ॥<u>भव्य</u>पाद्य रह<u>राम</u> ०<u>भभा</u>र भग्नाराजम राज्य पाभिव्य होता भारीएम रहरू मधूर निर्मात का मार्ने किया है जिल्ला है जिल्ला है लेना<u>कर गा</u>धालकार नेष्याण गा<u>धाल</u>ार हास हेन्द्र है जिन्ह है जिल्हा जमरायभव नायोल राजाय भञ्जन्नाला<u>मा</u> जिल्लाम्बर्सात , प्राचीम रद्धात्र ज न्समध्य निर्माणका निर्मा होता है होन्या है जिस्त मिर्म मिर्म ൽ. ന്യാപാല് ചെയ്യുക്കുന്നു പ്രക്ഷേത്ര പ്രവേശം പ്രവേശം പ്രവേശം പ്രവേശം പ്രവേശം പ്രവേശം പ്രവേശം പ്രവേശം പ്രവേശം प्र<u>मण्ड</u>तरं रोधत<sup>्</sup>क लुमक रतक उठे विम पाहमधेर । त्रिपार्वा र्र णार्थकर्यात प्रमाणकार मध्य , रिद्धक्त प्रमाणपर्यक्रकार ाएसण्य प्राप्तिस स्टबार्य प्राप्तिमानिस्ट हर्द्यण प्राप<u>्तिस</u>्टाच्य हर्द्यभग मन्तरामण्य संस्थानस्य विषय विषय विषय हामस्यान्य स्वाधित स्वाधि स्टाटमस्माठ ॥ शिष्प्राणार्च रेत्राय राजभावत स्टाध्या भाषाव्य प्राचन ॥ भिट्टे एपर्धर ३/३ िर भाजारपर्धात भाजाय दर्ध्यीज आपर्धात स्टारिट रूपिअर्थिय प्रत्यात स्वाहित प्रमानित प्रत्या मान्यत्व स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित ॥ ब्रिटर्क रिप्रभक्षम रुजयर्घ रिप्रभ्रम विभागात्पार्व्य

### लमहर्मा विषय स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप उन्हरमा मोताय वा उन्हर

ज्ञाहेन, ट्रेंक ॐ (पॅर्स पण्ण पण)ः एक्सिंदर्ण हाल्स्वराणी **प्राप्त भारि था र्यमद प्रारंम एषळ्यामा उदर्श हैन्द उदर्शनद मृत समस्त्रांप्त** मध्य रज्यार्याणात रेखा मध्यान्मात पारिन्थर सरेखा द्यारे र उज्र अटिन केरा महिन प्राप्त होता है लिए प्राप्त विकास प्रमाणकेर प्रिया प्रति विकास उस ॥ <u>मन्य</u>तात्स्याद्य तक्ष्मक्ष मन्त्र प्रमुखकार एक्सन्तर भा (स्थाप्रम) त्र पाभक्त उद्धाव दर्धकीमा जिसक्रिक सरसाठ किवार हरियाँच रहेमद्र पा ीगारहीटा थ्याः र्ट्साद प्रारंस रुख्याः सबीस ॥<u>शब्द</u>णार्ट्याणांत स्रक्षा सबीस र्ह महोह्रोटाभाग जन्मम र्स्क रेंट्र हिम्म हर्द्ध रेंट्र भार हार्व्हर्क न्द्रक स्थान प्रदेश प्रदेश महिम प्रात्म भावत हैं हैं है है है है है स्थान च स्वात प्रारंग , रित्र क्र एक मुख्य भिरु क्रिया र भारत्या म िगरमध्य रटा प्राटामक राज्याम पारम रटाम उटाम रहिष्पा दर्वक्रीम ह्रिटा ॥ गिष्ठोत्रमण राज्य क्रियाम स्ट्रांस अंग्डर्म्यण वेदर मस्या ॥ १९९५ राजस्य स्थाप सार्य प्राप्ते प्राप्ते स्थाप द्वापारे व्यापेट स्टिंग में स्टिंग स्थाप्य में इंग्लेश मारे की प्रत्याप स्थाप में स्थाप मारे कि स्थाप मारे में स्थाप मारे में स भागेंखा, हमरा वित्रम कें, हर्त मणायर ॥ राष्ट्राधार्याधारा व्यापार केंद्र म<u>र्भगारभाग</u> उँउदर्श्ड जाप्पीराअभर्भात्रायाग्या स्टार्ब्स्स रिपार्ट्स रहात पार्ट्स अभार रण्यन्भगाञ्चन भरतमा भारमण रण ।। राज्याप्रभन्त रणपद्माणीत देखा पारिटामधून पात्रमधीन होता रहाम निर्मात होता है। जार सम्बद्ध निर्मात होता होता है। पाटा गोठ्य कुमार कुमार मध्यम मध्यम स्थाप अभ्यत्वा १ जात रापीएए पारम रड्या ॥ भिष्णपामामा माम दर्शमू भारम्बर्स भिरुप्तेष सिक्ट रूपटर टाम्सम प्रेडियान्टरमा प्रेडियान्टरमा केंद्र देशेंद्र गुरुण्यासाय यद्या ४८५मा एपसप्तात दर्द्यो ॥ राज्यासाय प्रात्माय ॥ रियार्णन्याद्व एउदर्व रिएएश्रीमण्डर्भ्य रुणपञ्चार आरम्बर्स्य न्हराष्ट्रा मधीन

### ह्याम ७, तत्र दूसर ४, सर्ह ८, सर्हित स्व

जरिव रामस्य इंटिंग अर्थ प्रत्ये अर्थ प्रत्ये अर्थ त्यं रें अध्याधार काराय के जाता विस्तर है जिस्सा करा प्रतास काराय काराय काराय रिक्टें प्रणाटि मारीज र्राताम पायकें महामोद्याप्राप्तरह र्राह्मां अभिरं ण्डिसीम भिष्<u>रिस</u>्य ५५ महमर्गाणा भाषाभूप ५०% राजात यह भ र्टाधार्ट एक्सर स्वाधिमा एर्डाक्ट एक्स एवंसद । क्रियारिमक्त स्ट्रिस मसम उद्यासका त्रिया मामार्थे अद्रस्था विक्रम स्वामार्थिक महम्मार्थिक स्व ण<u>भस</u>्य ज्ञान महामाण विषय होगाम हें हमारी हो जा अध्याप्त हुन स्राध्या ऋसार हम्बर्यसात ॥ त्रियान्यात्रसात अञ्चर्य पार्थना दमंद्र भाषाभारत ।। विरोधामण्य ग्रह्मां चाईंटे जुरुद्धं राज्यामण्य ।। पार्हें राज्य मञ्जा राभें समारीज राज्यां रहत समरज आपाडभन्यार्पर ಸ್ಹಾಗಿ ಬ್ಲಾಗಿ ಬಹ್ಲಾಗಿ ಬಹ್ಲಾಗಿ ಬ್ಲಿ

ംടാ ക്കാല് (०)-२३+ നമ്പെ നടുപ്പ നലതിലെ ന്നാണ് ടോടോ , ഉപ്പോട് പ്രക്കാ പാട്ടാ പ്രക്ഷേ (ഗ)-२३+ നമ്പെ നടുപ്പെ നടുപ്പെ പ്രക്ഷേ വെട്ടാ പ്രക്ഷേ പ്രക്ഷം പ്രക